मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–005

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.जे.वाई.-005 : ज्योतिविज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों मे दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

3×20=60

1. ज्योतिषशास्त्र में आचार्य वराहमिहिर प्रणीत सिद्धान्तों की विस्तृत समीक्षा कीजिए।

2. आचार्य लगध ने ज्योतिष के क्षेत्र में किन सिद्धान्तों का प्रणयन किया है ? वर्णन कीजिए।

3. ज्योतिष के क्षेत्र में आचार्य श्रीपति के योगदान का वर्णन कीजिए।

4. भास्कराचार्य के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

5. आचार्य मकरन्द के ज्योतिषशास्त्रीय योगदान का विस्तृत वर्णन कीजिए।

6. आचार्य कमलाकरभट्ट के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

$4 \times 10 = 40$

1. केशवाचार्य के ज्योतिषीय कार्यों का सारांश रूप में वर्णन कीजिए।

2. सवाई जयसिंह ने ज्योतिष के विकास में क्या किया है ? वर्णन कीजिए।

3. बापू केतकर ने ज्योतिषशास्त्र के किस पक्ष पर काय किया है ? सैद्धान्तिक वर्णन कीजिए।

4. बापूदेवशास्त्री का परिचय दीजिए।

5. नीलाम्बर झा के ज्योतिषशास्त्रीय योगदान का वर्णन कीजिए।

6. मुरलीधर ठाकुर के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर संक्षप में प्रकाश डालिए।

7. गंगाधर मिश्र ने ज्योतिष के क्षेत्र में क्या कार्य किया है ? उल्लेख कीजिए।

8. शंकर बालकृष्ण दीक्षित का परिचय लिखिए।